印地语视听说

邓兵　冉斌

中国人民解放军外国语学院

一九九三年十月

विष्य सूची

पहला पाठ ---------- १

दूसरा पाठ ---------- १३

तीसरा पाठ ---------- २६

चौथा पाठ ---------- ३९

पांचवां पाठ ---------- ५२

छठा पाठ ---------- ६६

सातवां पाठ ---------- ७७

आठवां पाठ ---------- ८९

नवां पाठ ---------- १०३

दसवां पाठ ---------- ११५

ग्यारहवां पाठ ---------- १२८

बारहवां पाठ ---------- १३९

तेरहवां पाठ ---------- १५०

चौदहवां पाठ ---------- १६३

पंद्रहवां पाठ ---------- १७४

सोलहवां पाठ ---------- १८७

सत्रहवां पाठ ---------- १९९

अट्ठारहवां पाठ -- २१२
उन्नीसवां पाठ -- २३२
बीसवां पाठ -- २४४

पहला पाठ

(इस पाठ से तीसरे पाठ तक एक टी० वी० नाटक है । नाटक का नाम है चम्पा । चम्पा एक लड़की का नाम है । वह कागज़ के फूल बना कर बेचती है और इसी तरह गुजारा करती है ।एक बार उसे चोट लग गई और अस्पताल में भरती हो गई । इस बीच अल्पना नामक एक महिला ने उस की बड़ी मदद की और अंत में चम्पा को अल्पना की दुकान में काम मिल गया ।)

पात्र:

चम्पा (चं०) -- कागज़ के फूल बेचनेवाली लड़की

कमला (क०) -- चम्पा की मां

महिला-- एक गुम नाम महिला

राकेश (रा०) -- अल्पना के पति

अल्पना (अ०) --राकेश की पत्नी, फूल की दुकान की मालकिन

टिंकू--राकेश और अल्पना का पोता

जोखराम (जोख०) --राकेश का ड्राइवर

(चम्पा । आप ने कई बार कई रूप में इसे सड़कों पर देखा होगा अखबार, अगरबत्ती, फूल और अपनी खुशियां बेचते हुए । कभी कभी यह जिंदगी हमें यह मौका देती है नन्ही कलियों को प्यार व मुहब्बत से सींच कर फूल बनाने का । लेकिन हर कोई हर वक्त इस कसौटी पर खरा नहीं उतरता । हर कोई अल्पना तो नहीं, लेकिन अल्पना बनने की कोशिश तो कर सकते हैं । आज की कहानी एक सच्ची कहानी है ।)

चम्पा: मां, मैं जा रही हूं ।

कमला: अच्छा चम्पा, शाम को जल्दी आना ।

(पार्क में)

चम्पा: मेम साहब, फूल ले लो न ।

महिला: हमें नहीं चाहिए ।

बच्ची: अम्मा, यह फूल हमें दिला दो न ।

महिला: नहीं नहीं बेटे, ये फूल अच्छे नहीं हैं । चलिए बेटे । हम आप को आइसक्रीम दिलाते हैं । चलिए ।

राकेश: अच्छा, अल्पना, मैं कार निकालता हूं । तुम लोग आओ ।

अल्पना: ठीक है । ए, टिंकू, इधर आ । सुन बेटा ।

चम्पा: मेम साहब, फूल ले लो । ले लो न । बाकी फूल तो मुरझा भी जाते हैं । ये तो मुरझाते भी नहीं ।

试读结束：需要全本请在线购买： www.ertongbook.com

अ०: अरे, इतनी छोटी सी लड़की और बड़ी बड़ी बातें ।

चं०: ले लो न ।

अ०: अच्छा, यह लाल फूल दे दो ।

चं०: यह रेडवाला ?

अ०: हां, हां, यह रेडवाला । कितने का है ?

चं०: दो रूपये का । एक और ले लो न ।

अ०: नहीं, बस ।

चं०: ले लो न ।

अ०: कहा न बस ? यह लो । पकड़ो ।

(अस्पताल के सामने)

रा०: जोखराम, टिंकू को घर छोड़कर गाड़ी वापस ले आओ ।

जोख०: ठीक है, सर ।

(अस्पताल में)

अ०: आप ?

कमला: मैं चंपा की मां ।

अ०: ओ, क्या नाम है तुम्हारा ?

क०: कमला ।

अ०: बैठो न । खड़ी क्यों हो ?

क०: चंपा ठीक हो जाएगी ?

अ०: हां, हां, बिल्कुल । खूब बहादुर है तुम्हारी बिटिया । बहुत सुंदर फूल बना कर बेचती है । यह फूल बनाना तुम से सीखी?

क०: जी नहीं । स्कूल में ।

अ०: चंपा स्कूल जाती है ?

क०: जाती थी, कभी ।

अ०: इस का बाप... ओ ।

क०: नहीं नहीं । जिंदा है । उस के जैसे लोग जल्दी मरते थोड़े ही हैं ।

(चंपा होश में आती है ।)

चं०: अम्मा ।

क०: चंपा । मेरी बच्ची । तू ठीक तो है न ?

अ०: चंपा, कैसी हो ?

क०: मेम साहब को नहीं पहचाना ? मेम साहब ने तो तुझे इस अस्पताल में ला कर भरती किया है, चंपा ।

चं०: हां, पहचान गई । ये फूल मेरे लिए लाई हो ?

क०: चंपा ।

अ०: हां, चंपा । ये फूल तुम्हारे लिए लाई हूं ।

चं०: कल फिर लाओगी ? ये तो मुरझा जाएंगे न ?

अ०: हां । ये चंपा के फूलों जैसे थोड़े ही हैं न, ये मुरझाएंगे नहीं ?

कल ढ़ेर सारे और फूल लाऊंगीं. । अब मैं चलूं ? कल आऊंगी, हां

च०: कल फूल जरूर लाना ।

अ०: जरूर लाऊंगी । हां, कमला, अब चिंता करने की कोई जरूरत नहीं । अगर किसी चीज़ की जरूरत पड़े तो नीचे डाक्टर शंकर हैं , उन से मिल लेना उं ?

चं०: Bye मेम र साहब ।

अ०: Bye .

क०: चंपा ।

अगरबत्ती	स्त्री०	（燃烧用的）香
कली	स्त्री०	花蕾
कसौटी	स्त्री०	试金石，检验
खरा	वि०	好的，纯的
खरा उतरना	मु०	经受住考验
मेम	स्त्री०	女士、小姐、夫人、太太
आइसक्रीम	स्त्री०	冰淇淋
मुरझाना	अ० क्रि०	凋谢，萎缩
बिटिया	स्त्री०	女儿， 女孩
ढेर सारा		बहुत ज्यादा

टिप्पणियां

१, उस के जैसे लोग जल्दी मरते थोड़े ही हैं ।

(他那种人是绝不会早死的。)

ये चम्पा के फूलों जैसे थोड़े ही हैं न, ये मुरझाएंगे नहीं ।

(这又不象 चम्पा 的花，不凋谢！)

以上两句中的उस के जैसे 和 फूलों जैसे 中的 जैसे 相当于 के समान 或 के सदृश, 意思是"像…样的"。

以上两句中的 थोड़े ही 是固定词组，意思是"根本不(没)""绝对不(没)"

२, यह रेडवाला ? (这个红的？)

这里 रेडवाला 等于लालवाला. 这里 चम्पा 用了一个英语词 red 代替了 लाल 。这种形容词加 वाला 的用法口语中非常多，往往用来特指具体某一个或某一种类。如：

क: मुझे वह टोपी दिखाइए ।

ख: कौन सी ?

क: वह छोटीवाली ।

३, मेम साहब, फूल ले लो न ।

अम्मा, यह फूल हमें दिला दो न ।

बैठो न ।

न 在祈使语之后，可以使祈使语气委婉，使请求的意思更强些，而命令之意更弱些，一般可译为"……吧！"而 न 加在直陈句之后则构成反意问句，可使语气更强烈。例如：

तू ठीक तो है न ?

ये तो मुरझा जाएंगे न । ?

ये चम्पा के फूलों जैसे थोड़े ही हैं न ।?

在口语中 न 的这两种用法比较常见，请多加注意，并认真体会与学习运用。

मेम साहब 中的 मेम 是英语 madam 的省略形式，意思是"夫人、小姐、女士、太太"。在印地语中往往和 साहब 连用，表示更加尊敬，意思仍和 madam 相同。

४, अब मैं चलूं ? कल आऊंगी हाँ ?

अब मैं चलूं 是离开时的一种表示方式，意思是"我要走了。"这里用虚拟语气表示一种商量或请求允许之意。

试读结束：需要全本请在线购买： www.ertongbook.com

अभ्यास

क, पाठ पर सवाल कीजिए और ग्रुपों में बंट कर एक दूसरों के सवालों का जवाब दीजिए ।

ख, अध्यापक के सवालों का जवाब दीजिए ।

१, चम्पा क्या काम करती है ?

२, क्या चम्पा स्कूल जाती है ?

३, क्या कभी वह स्कूल जाती थी ?

४, किस ने उस का फूल खरीदा ?

५, उस ने कितने फूल लिए ?

६, चम्पा को कैसे चोट आई ?

७, चम्पा को कहां चोट लगी ?

८, किस ने उसे अस्पताल में ले कर भरती किया ?

९, चम्पा की मां का क्या नाम है ?

१०, क्या मां ने चम्पा को फूल बनाना सिखाया ?

११, तो चम्पा ने कहां से फूल बनाना सीखा ?

१२, क्या चम्पा का पिता मरा है ?

१३, अल्पना चम्पा के लिए क्या लाई ?

१४, क्या वह भी कागज का फूल है ?

१५, क्या वह कल भी चम्पा के लिए फूल लाएगी ?

ग, निम्न जवाबों में से जो सही हो उसे चुन निकालिए ।

१, चम्पा किस लिए गाड़ी के नीचे आ गई । ?

(१.) सड़क पार करने के लिए

(२) टिंकू को बचाने के लिए

(३) फूल बेचने के लिए

(४) गाड़ी रोकने के लिए

२, चम्पा ने फूल बनाना किस से सीखा ?

(१) फूलवालों से

(२) अपनी मां से

(३) अल्पना से

(४) अध्यापक से

३, बाकी फूल तो मुरझाते हैं पर चम्पा के फूल क्यों नहीं मुरझाते ?

(१) क्योंकि चम्पा अक्सर फूलों पर पानी छिड़कती है ।

(२) क्योंकि चम्पा के फूल का रंग पक्का है ।

(३) क्योंकि चम्पा के फूल कागज़ के हैं ।

(४) क्योंकि चम्पा के फूल लाल हैं ।

घ, मौखिक अनुवाद कीजिए ।

我们不相信他那种人。

他这种人不会帮助任何人。

我们又不是你。

他根本就没去。

这种饭他绝不会吃。

这种天气是不会下雨的。

不是每个人都能成英雄的，但每个人都可以去努力。

这件工作对他来说是个考验。我相信他能经受住这一考验。

我送你回家。

你把他送到学校去。

你随时都可以来。

他随时都可能离开。

我喜欢他那样的衬衫。多少钱一件？

这种白色的８０卢比，那种红的１２０卢比。

那就给我来件红的。

再来一件吧？

不不，不要了。

明天早晨早点叫醒我，我得赶火车去。

ङ, बार बार रिकार्ड सुनिए और उस का अनुकरण कीजिए ।

च, ग्रुपों में बंट कर बातचीत कीजिए ।

दूसरा पाठ

(यह टी वी नाटक " चम्पा" का दूसरा भाग है ।)

पात्र:

राकेश (रा०)--अल्पना के पति

अल्पना (अ०)-- राकेश की पत्नी

चम्पा (चं०)--- कागज के फूल बेचनेवाली लड़की

शंकर (शं०)--- डाक्टर

फूल -- चम्पा के सपने में बोलनेवाले फूल

कैसर सिंह (कै०) -- चम्पा के सपने में फूल चुरानेवाला आदमी

रा०: शाम की पार्टी क्या याद है न ? टाइम पर घर आ जाना ।
पार्टी में बहुत से लोग आ रहे हैं ।

अ०: हां, आ जाऊंगी ।

रा०: देखो, तुम यहां आ कर सब कुछ भूल जाती हो । टाइम पर घर
आ जाना, ?

(अस्पताल में)

अ०: अरे वाह । ये फूल किस ने सजाए ?

चं०: ये मैं ने सजाए, मेम साहब ।

अ०: उं, इतने सुंदर । देखो, तुम्हारे लिए फूल लाई हूं ।

चं०: अरे, आज भी आप इतने ढेर सारे फूल ले आई ।

अ०: मेरी चंपा को फूल पसंद है न, इसीलिए । तुम्हें मालूम है, इन
फूलों को क्या कहते हैं ?

चं०: क्या ?

अ०: रजनी-गंधा । इतनी बढ़िया सुगंध है न ? यह भी मैं सजा दूं ?

चं०: नहीं । मैं सजाऊंगी ।

अ०: मैं र सजाऊंगी ।

चं०: नहीं ।

अ०: अच्छा, लो । तुम ही सजा लेना, चंपा । लेकिन तुम्हारा बाप
क्या करता था ?

试读结束：需要全本请在线购买： www.ertongbook.com